

# उन्हरूचे (CHAPTER-4)

ឃុននេះ មាំកុរាធ្រុស អេត្តិត្រា (Writer : Rajkumar Madhubir)

## ಣಿಕ್ಷಣem (SOLUTIONS)

### रेंटहाणी लक्स्य

ःण ध्या विद्या विद्या

क्रमञ्ज = क्र्याट्राप्य = क्रिस्या

लेखएक<sup>5</sup>क = लेखएमिटिएर मि

मस्युनात्रः श्वाति = मित्रतात्रः प्रज्ञानित्रा

र्द्रसम्बोत भारम हय्याम हय्याम हय्याम

### ः द्रदर्द मण ठमप्रण .१

- ण्या अर्थे प्रत्ये प्
- (ന) गाएउया रहें यामट करें प्रायुक्त स्वाप्त (ന)

गोर्ज्ञः (ख्रा) ख्राएंलु र्वेभमदेश्य क्रेय्य ॥

# ः द्वीगा मनुद्रक्षीय हमजाजाण विभिन्न हैर्प ॥ ३

(म्रा) मार्थात हे स्वयं प्रमुख प्रस्तु हे स्वयं प्रमुख प्

ा जिर्था स्वरंह राज्य प्रमान के कार्य स्वरंह त्र विचन के कार्य प्रमान के कार्य प्रमान के स्वरंह स्वरंह स्वरंह स

(ന) गाएक का प्रमाणक स्वाप्य स

१०णा<u>ष्ठ खन</u>्य ज्ञाठमधे विषय पामणमा प्राप्तम (५)

गोंद्रः स्ट्राग-स्गों ग्रामण्सण स्रोणि स्राध्या प्राध्या प्राध्या स्राध्या ग्राध्या प्राध्या प्राध्य प्राध्या प्राध्या प्राध्या प्राध्या प्राध्या प्राध्या प्राध्या प्राध्य प

१ ॰णाठ उर्द चाठी भाषा प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त भारत प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्

गोद्धः ख्वरिट ग्रांखली प्रलिष्ट ग्रा॰७७४, टिवियामक्र प्रयोध सेंग्रेण प्रसाणमेट टेंग्र॥

#### **&** ||

सेंखएए॰ सेंखए टमरु न्यू हुए स्लिए, प्यू हु स्वभा सेंखएए सेंखए।  $\parallel$ गुराप्पी5रू स्रमुप्पुज्ञार

गांद्रः गांद्रिमटीष्ठ लेंकिल संश्रम त्या कार्या कार्या वार्या वा ॥ ग्रिणात्मक दूरी जात्रह्मण व्यक्ति प्रदर्श

हुर दर्श है विश्व के प्रश्नित हुए एक प्रमाण कि में प्रमाण कि प्रम मार्थित मध्या त्यात्र स्थाति स्थापा स्यापा स्थापा स्यापा स्थापा स्थापा

व्याध्य त्र त्र हे भारत स्थान का स्थान हे हे हे भारत स्थान है स्थान स्थान है से प्रमाय स्थान है से स्थान स्थान है से स्थान स्यान स्थान स्थ दंणीम हिमा णा भारत स्वाप्त प्रमार प्रम प्रमार प्रम प्रमार प्रम प्रमार प्रमार प्रमार प्रमार प्रमार प्रमार प्रमार प्रमार प्रमार **ಹ್ಲು ತ್ಯೂಕ್ ಕ್ಷಾಕ್ ಕ್ಷಾಕ್ ಕ್ಷಾಕ್ ಕ್ಷಾಕ್ಕೆ ಕ್ಷಾಕ್ಕೆ ಕ್ಷಾಕ್ಕ್ ಕ್ಷಾಕ್ಕೆ ಕ್ಷ್ಣಕ್ಷಕ್ಕೆ ಕ್ಷಾಕ್ಕೆ ಕ್ಷಕ್ಕೆ ಕ್ಷಾಕ್ಕೆ ಕ್ಷಾಕ್ಕೆ ಕ್ಷಕ್ಕೆ ಕ್ಷ** मोटर हैटक<sup>े</sup>ठ लेठर सर्वाट ह<sup>े</sup>णक्र जाती।

- $(\mathfrak{C})$ टेणटरुक ?
- गोंद्रः गांभिमटी हे जुन मा किस्सी मा का का मा किस्सी मा जा का का का मा ॥ गिजात्वचार के जिल्ला प्रमुख्य विश्व हिन्

गारिक के उन्हें देख विषय प्राथम का विषय है के स्था कर विषय प्राथम कर्णा भारत स्था कर के स्था कि स्था हैटॐर रंभटा स्थापित स्थापित

**ब्रामक व्याप्त क्रिक क्रिक्स मार्थम मार्थम क्रिमक मार्थम क्रिमक क्रिक क्रिक क्रिक क्रिमक क्रिमक क्रिमक क्रिक क्र** प्रस्प्रह मित्री गाल्या कथि धूरी कि जार का मित्र का मित्र का प्रमाण करा मित्र का प्रमाण कर का प्रमाण करा मित्र का प्रम का प्रमाण करा मित्र का प्रमाण कर का प्रमाण कर का प्रमाण करा मित्र का प्रमाण करा मित्र का प्रमाण करा मित्र का प्रमाण करा मित्र क OF EDUCATION (S) गा॰एकर ह्णाक्ष्रकार्य स्वाधिक स्वाधिक

### **്ല** हूद रैम-र्भ गाणिक प्रभाव 11 8

गोन्नः ॐटीणखा लिसेटक प्रमुमर ॐह सिलण प्रसु देंभण कृषः, प्रमुमर टमरिक्क ਟੁшшੇਨ ਨੇਨਵਰ  $\pi_0$ ਨਿੰਗ । ਪੰਪ  $\pi_0$ ਸਤ ਵਪ ਸਮਰਰਨ ਜ਼ਬਾਮਿ ਸ਼ਗੁਰ ਵੰਤਰਾ  $\pi_0$  ।  $\pi_0$ मध्या सार्येच लियट टमर्रा पत्रू देंक्रिक्ट प्रस्ट $\underline{x}$  प्रभट $\underline{x}$  प्रभट $\underline{x}$  प्रभट $\underline{x}$  प्रभट $\underline{x}$  प्रभट $\underline{x}$  प्रभट प टिवायामळ्या आधिया अहम अवस्त्र क्ष्मिक क्ष्मिक क्ष्मिक अधिक क्ष्मिक अधिक क्ष्मिक क्ष

# लैंक्ज प्राप्त प

गोंद्रः लॅंभण प्यलित स्वर्वाट 'एँ' नेज्ञभिर्वा प्रमुख्य ग्रोमट्र एंभण्ड प्रमुख्य प्रमुख्य स्वर्वाच र 

### : ज्ञम॰० ш॰१ केंद्र हर्दण जिल्हा जिल् **6** ||

- $\pi$  आंद्रः (i) लेखएक  $\pi$  : स॰का  $\pi$  में प्राप्ति प्राप्ति प्राप्ति हिंदि है । लेखएक  $\pi$  स्वाप्ति प्राप्ति है ।
  - (ii) നീയ अञ्चल प्राची प्रची प्राची प्रची प्राची प्रची प्राची प्रची प्राची प्र
  - ॥ रिस्सास्य जूहरूऔल <u>प्राचीमा</u> गाव्यभीमम जीमार्ज्यम हरस्य हरिकाम मामार्ज्यम हरस्य ज्ञान
  - (iv) weak = 0 w

### श्री प्रमाद कर है जिल्ला हुन स्वाप कि कार प्रमाद कर है । अपने कि स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स 9 ||

गांद्रः लॅंभण्य प्रापेष्ठ प्राप्त प्रापेष्ठ प्राप्त प्रापेष्ठ प्राप्त प्रापेष्ठ प्राप्त प्रापेष्ठ प्राप्त प्रापेष्ठ प्राप्त प्रापेष्ठ प्राप्त प्रापेष्ठ प्राप्त प्रापेष्ठ प्राप सेंत्रज्ञार एंड प्रजाण सजनाणी प्रस्टडिए गामिण्याए प्रस्थित गामिल्या गामिल्या प्रस्टिह स्वाप ण अध्या हे अध्या विकास स्वाप्त ॥ उन्हर्म कुन्मर्म भाषण्यभामा

PARTMENT OF EDUCATION (S)

भ्याम्मित्सम्बद्धं त्येह प्रभूत्रम्बत्यहं (व्यन्त)